IIM Raipur Conducts Industrial Visit for its 15th Batch to Sarda Energy & Minerals Ltd. (SEML)

Raipur 2024: The Indian Institute of Management Raipur, conducted an industrial visit from 31s August to 7th September for its PGP batch of 2024-2026 to Sarda Energy & Mineral Ltd. As a part of the institute's experiential learning initiative, the visit was a vital step in enabling the students towards understanding real-world industrial settings.

Sarda Energy & Minerals Limited (SEML) is a flagship company of the Sarda Group, specializing in steel and ferro alloys production, with a fully integrated plant in Raipur, Chhattisgarh. Upon arrival at SEML, the students were introduced to the company's operations through a presentation detailing its historical evolution, key business units, and sustainability initiatives.

As MBA students, they were presented with deeper insights into the company's long-term vision and strategy, the visit proved to be an opportunity for fostering industrial operations knowledge among the students while bridging the gap between academic knowledge and practical applicability. It offered a multifaceted learning experience, allowing students to witness the strategic, operational, and technological components of a large-scale manufacturing setting. The objective of the visit was to understand SEML's technological advancements, management practices, and sustainability efforts. The students received exposure to key aspects of, operational efficiency in sponge iron production and power generation, the role of cross-functional leadership in overseeing large-scale industrial operations, sustainability measures and how they align with the company's long-term strategic goals, financial and risk management practices in mitigating industry-specific challenges, such as fluctuating commodity prices and environmental regulations.

In conclusion, the visit also fostered a deeper appreciation by the students for the hard work and dedication of the employees working in such challenging environments, supporting the demands of modern industries. It also underscored how a company can maintain stability through innovation and resilience; giving students a practical glimpse into how theoretical concepts and leadership are applied in a dynamic industrial environment.

About IIM Raipur

Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur) has been set up by the Government of India, Ministry of Human Resource Development (now known as Ministry of Education) in 2010 at Raipur, the capital of Chhattisgarh. Chhattisgarh is one of the fastest growing states of India with its rich mineral,

forest, natural and local resources. The Institute believes in preparing ethical leaders who are not only committed to business, commerce and industry but are also socially conscious towards their contribution in nation building and bring in name for the country globally. The institute is abuzz with activities carried by the student clubs which are now expanding their scope of activity and bringing luminaries from the Corporate.

Indian Institute of Management (IIM) Raipur has attained the 14th position in the esteemed National Institutional Ranking Framework (NIRF) for 2024. IIM Raipur is one of the most prestigious educational institutions in management education in India. IIM Raipur's remarkable accomplishment can be attributed to the fact that it excelled in a wide variety of critical criteria that were taken into consideration by NIRF.

For more information visit https://iimraipur.ac.in/

Building Business Owners

भा.प्र.सं. रायपुर ने अपने 15वें बैच के लिए सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) का औद्योगिक दौरा आयोजित किया

रायपुर 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने 31 अगस्त से 7 सितंबर तक अपने 2024-2026 पीजीपी बैच के लिए सरदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड का औद्योगिक दौरा आयोजित किया। संस्थान की अनुभवात्मक शिक्षण पहल के तहत यह दौरा छात्रों को वास्तविक औद्योगिक माहौल को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) सरदा ग्रुप की प्रमुख कंपनी है, जो स्टील और फेरो एलॉयज उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है और रायपुर, छत्तीसगढ़ में पूरी तरह से एकीकृत संयंत्र चलाती है। एसईएमएल पहुंचने पर, छात्रों को कंपनी के संचालन से परिचित कराने के लिए एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें इसकी ऐतिहासिक विकास यात्रा, प्रमुख व्यावसायिक इकाइयाँ और स्थिरता की पहल का विवरण शामिल था।

एमबीए छात्रों के रूप में, उन्हें कंपनी की दीर्घकालिक दृष्टि और रणनीति के बारे में गहन जानकारी प्रदान की गई। यह दौरा छात्रों के लिए औद्योगिक संचालन का ज्ञान बढ़ाने और शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटने का एक अवसर साबित हुआ। इसने छात्रों को एक बहुआयामी शिक्षण अनुभव प्रदान किया, जिससे उन्हें एक बड़े पैमाने पर उत्पादन सेटिंग के रणनीतिक, परिचालन और तकनीकी घटकों को देखने का मौका मिला। इस दौरे का उद्देश्य एसईएमएल की तकनीकी प्रगति, प्रबंधन प्रथाओं और स्थिरता प्रयासों को समझना था।

छात्रों को मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में जानकारी मिली: स्पंज आयरन उत्पादन और बिजली उत्पादन में परिचालन दक्षता, बड़े पैमाने पर औद्योगिक संचालन की देखरेख में क्रॉस-फंक्शनल नेतृत्व की भूमिका, स्थिरता

उपाय और कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों के साथ उनका संरेखण, उद्योग-विशिष्ट चुनौतियों जैसे कि वस्तु कीमतों में उतार-चढ़ाव और पर्यावरणीय नियमों से निपटने में वित्तीय और जोखिम प्रबंधन की प्रथाएँ।

अंत में, इस दौरे ने छात्रों को कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण के प्रति गहरी सराहना भी विकसित करने में मदद की, जो आधुनिक उद्योगों की मांगों को पूरा करते हैं। इसने यह भी रेखांकित किया कि एक कंपनी कैसे नवाचार और लचीलापन के माध्यम से स्थिरता बनाए रख सकती है, जिससे छात्रों को यह देखने का व्यावहारिक अवसर मिला कि कैसे सैद्धांतिक अवधारणाएँ और नेतृत्व एक गतिशील औद्योगिक माहौल में लागू होते हैं।भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) की स्थापना 2010 में भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में की गई थी। छत्तीसगढ़ भारत के सबसे तेजी से विकसित होते राज्यों में से एक है, जो अपने समृद्ध खनिज, वन, प्राकृतिक और स्थानीय संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है। संस्थान का मानना है कि नैतिक नेताओं का निर्माण करना आवश्यक है, जो न केवल व्यापार, वाणिज्य और उद्योग के प्रति प्रतिबद्ध हों, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अपना योगदान देते हुए वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन करें।

संस्थान छात्रों के क्लबों द्वारा संचालित गतिविधियों से लगातार सक्रिय रहता है, जिनकी गतिविधियाँ अब और अधिक विस्तार पा रही हैं और वे कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित कर रहे हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने 2024 के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 14वां स्थान प्राप्त किया है। भा.प्र.सं. रायपुर प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। इस उपलब्धि का श्रेय भा.प्र.सं. रायपुर को उन विभिन्न महत्वपूर्ण

मानदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण दिया जा सकता है, जिन्हें एनआईआरएफ द्वारा मूल्यांकन के दौरान ध्यान में रखा गया।

अधिक जानकारी के लिए देखें: https://iimraipur.ac.in/